वार्षिक परीक्षा-2022-23 - [अधिगम पुनः प्राप्ति के अनुसार]

Key Answer

8x1= 8

1. ए) नदी   2. ए) मेरा   3. बी) उठाना   4. सी) मजबूत
5. सी) पिता   6. सी) पूर्ण विराम   7. डी) तालियाँ   8. सी) रास्ता

II. निम्नलिखित प्रथम दो शब्दों के सूचित संबंधों के अनुरूप तीसरे शब्द से संबंधित शब्द लिखिए। **4x1=4**

9. 2   10. अववर   11. चोरों को पकड़ता है   12. चौराह

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पूर्ण वाक्य में लिखिए : **4x1=4**

13. किसान बुद्धिमान था।
14. विवेकानंद का माता का नाम भुवनेश्वरी देवी था।
15. सच्चा मित्र शिक्षक के तरह होता है।
16. वार्तालाप रोहन और वेदांत के बीच चल रहा है।

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : **8x2=16**

17. स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 में हुआ था।
18. एक दिन किसान मेले से अपना घर लौट रहा था। और उसने मेले से एक भैंस खरीदी थी।
19. बालक रोज सीमा की खबरें सुनता था।
20. य ,र,ल,व, श,ष, स ,ह , ल
21. बरगद का पेड़ , पीपल वृक्ष, आम का पेड़, नीम का पेड़, नीलगिरी का पेड़,
22. छात्र ही लिखेंगे।
23. भगवान से हमें भले काम करने का , गिरे हुए को तुरत उठाने का , किसी को ना अपमान करने का , देश मे मान रखने का बुद्धि मांगना चाहिए।
24. एक किसान हर देश के लिए एक महत्वपूर्ण व्यक्ति होता है। वे फसलें, फल और सब्जियां उगाते हैं और बाजार में बेचते हैं। किसान एक गाँव में रहता है और बहुत ही सरल जीवन व्यतीत करता है।

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में लिखिए : **9x3=27**

25. माँ वह है जो हमारे सुख-दुःख की साथी होती है और हमेशा और हमें पूरी दुनियां में सबसे अधिक प्यार करती है। माँ ही हमारी पहली शिक्षक होती है। वह हमें जन्म देती है और इस सुंदर धरती पर लाती है। माँ ही हमें अच्छे बुरे का ज्ञान देती है।
26. आलू , मटर , टमाटर , बैगन , फूल गोभी., पत्ता गोभी ,भिन्डी , मूली , मिर्ची , आनियन आदि।
27. a. लाल बत्ती जलने पर हम रुकना चाहिए। b. हरी बत्ती जलने पर हमें चलना चाहिए।
c. पीला बत्ती हमें तैयार रहने का संकेत करती है ?
28. a. इस चित्र में हमें शिक्षक और तीन छात्र दिखायी दे रहे है । b. छात्र और शिक्षक स्कूल के बरामदे पर खड़े है।
c. शिक्षक के हाथ में पुस्तक है।

29. यह एक शाकाहारी जानवर है। गाय को हरी घांस खाना पसंद है और यह शाकाहारी पशु है। भारत में गाय को माता कहा जाता है और इसकी पूजा की जाती है। गाय दूध देती है जोकि बच्चों के लिए बहुत पौष्टिक होता है।

30. वेदांत : हैलो मेरा नाम वेदांत है। तुम्हारा नाम ? रोहन : मेरा नाम रोहण है।
वेदांत : तुम कहाँ से आये हो ? रोहन : में बेलगाव से आया हूँ।

31. भारत में इसे दहेज, हुँडा या वर-दक्षिणा के नाम से भी जाना जाता है तथा वधू के परिवार द्वारा नक़द या वस्तुओं के रूप में यह वर के परिवार को वधू के साथ दिया जाता है। आज के आधुनिक समय में भी दहेज़ प्रथा नाम की बुराई हर जगह फैली हुई है। पिछड़े भारतीय समाज में दहेज़ प्रथा अभी भी विकराल रूप में है।

32. क्रिसमस या बड़ा दिन ईसा मसीह या यीशु के जन्म की खुशी में मनाया जाने वाला पर्व है। यह 25 दिसंबर को पड़ता है और इस दिन लगभग संपूर्ण विश्व में अवकाश रहता है। क्रिसमस से 12 दिन के उत्सव क्रिसमसटाइड की भी शुरुआत होती है।

33.गद्यांश का अनुवाद कन्नड़ या अंग्रेजी में कीजिए :

ನಾನು ಕೋಲನ್ನು ನನ್ನ ಪತ್ನಿಗೆ ನೀಡುತ್ತೇನೆ. ಈ ಕೋಲನ್ನು ನೋಡಿ ಜಾತ್ರೆಯಿಂದ ನನಗೋಸ್ಕರ ಏನಾದರು ತಂದಿದ್ದೀರೆಂದು ಅವಳು ಬಹಳ ಸಂತೋಷ ಪಡುತ್ತಾಳೆ. ಢಾಕು ಕೋಲನ್ನು ರೈತನಿಗೆ ಕೊಟ್ಟುಬಿಟ್ಟನು.

VI. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर पाँच - छः वाक्यों में लिखिए ; 2x4=8

34. पंजाब, हरियाणा समेत उत्तर भारत के कुछ स्थानों पर बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग अनाज की पूजा करते हैं और फसल के कटकर घर आ जाने की खुशी में भगवान और प्रकृति को धन्यवाद करते हैं। साथ ही इस खुशी के मौके पर लोग भांगड़ा नृत्य भी करते हैं। बैसाखी के दिन सूर्य मेष राशि में प्रवेश करता है

35. इतनी शक्ति हमे देना दाता ,
मन का विश्वास कमजोर हो ना।
हमचले नेक रास्ते पे हम से ,
भूलकर भी कोई भूल हो ना।

VII. 1. जापान को ' उगते सूरज का देश' कहते हैं। 2.जापान में बौद्ध धर्म का प्रचार है। **4x1=4**
3. 'सम्मान' इसका विलोम शब्द है अपमान। 4. इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक देशप्रेम बच्चों की दायित्व रख सकते है।

Suresh-Bmghs-Ballakere

VIII. किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। **1x4=4**

रमजान पर निबंध :- भारत त्यौहारों का देश है और यहाँ हर धर्म के त्यौहारों को बड़ी ही ख़ुशी और उल्लास के साथ मनाया जाता है. हमारे देश में हर दिन किसी न किसी धर्म का कोई न कोई त्यौहार मनाया जाता है. रमजान का त्यौहार इस्लाम धर्म के प्रमुख त्यौहारों में से एक है और पूरे विश्व के मुस्लिम समुदाय के लोगों के द्वारा रमजान का त्यौहार मनाया जाता है. रमजान के महीने का अपना विशेष महत्त्व है इसलिए इस्लाम धर्म का हर व्यक्ति रमजान के महीने के लिए बहुत ही उत्सुक रहता है। लोग पूरे महीने रोज़ा रखते है और रमजान के इन विभिन्न रीति-रिवाजों का अनुसरण करते है ताकि अल्लाह उन पर अपनी दया दृष्टि बनाये रखे. इस महीने में लोग अल्लाह की इबादत करते है और जरूरतमंद लोगों की मदद करते है. इस लेख में रमजान पर निबंध लिखा गया है जो सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों की परीक्षा के दृष्टिकोण से बहुत ही उपयोगी है. रमजान या रमदान को इस्लाम धर्म का पवित्र महीना माना जाता है यह इस्लामी कैलेंडर का नौवाँ महीना है. रमजान का महीना 29 या 30 दिनों का होता है. रमजान के पूरे महीने लोग रोज़ा (उपवास) रखते है और महीना पूरा होने पर चाँद को देखने के बाद ही रोज़े खत्म किए जाते है। रमजान को कुरान का महीना भी कहा जाता है क्योंकि रमज़ान के महीने में अल्लाह की किताब कुरान इस दुनिया में आई थी. रमजान के पूरे महीने इस्लाम धर्म के लोग ज्यादा से ज्यादा कुरान पढ़ते है ताकि वो अल्लाह के और करीब जा सके. लोग किसी भी प्रकार के बुरे विचारों से दूर रहने की कोशिश करते है.

2. मकर संक्रांति का त्योहार, सूर्य के उत्तरायन होने पर मनाया जाता है। इस पर्व की विशेष बात यह है कि यह अन्य त्योहारों की तरह अलग-अलग तारीखों पर नहीं, बल्कि हर साल 14 जनवरी को ही मनाया जाता है, जब सूर्य उत्तरायन होकर मकर रेखा से गुजरता है। यह पर्व हिन्दू धर्म के प्रमुख त्योहारों में शामिल है। कभी-कभी यह एक दिन पहले या बाद में यानि 13 या 15 जनवरी को भी मनाया जाता है लेकिन ऐसा कम ही होता है। मकर संक्रांति का संबंध सीधा पृथ्वी के भूगोल और सूर्य की स्थिति से है। जब भी सूर्य मकर रेखा पर आता है, वह दिन 14 जनवरी ही होता है, अत: इस दिन मकर संक्रांति का तेहार मनाया जाता है। भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में मकर संक्रांति के पर्व को अलग-अलग तरह से मनाया जाता है। आंध्रप्रदेश, केरल और कर्नाटक में इसे **संक्रांति** कहा जाता है और तमिलनाडु में इसे **पोंगल पर्व** के रूप में मनाया जाता है। पंजाब और हरियाणा में इस समय नई फसल का स्वागत किया जाता है और **लोहड़ी पर्व** मनाया जाता है, वहीं असम में **बिहू** के रूप में इस पर्व को उल्लास के साथ मनाया जाता है। हर प्रांत में इसका नाम और मनाने का तरीका अलग-अलग होता है।अलग-अलग मान्यताओं के अनुसार इस पर्व के पकवान भी अलग-अलग होते हैं, लेकिन दाल और चावल की खिचड़ी इस पर्व की प्रमुख पहचान बन चुकी है। विशेष रूप से गुड़ और घी के साथ खिचड़ी खाने का महत्व है। इसके अलावा तिल और गुड़ का भी मकर संक्राति पर बेहद महत्व है। इस दिन सुबह जल्दी उठकर तिल का उबटन कर स्नान किया जाता है। इसके अलावा तिल और गुड़ के लड्डू एवं अन्य व्यंजन भी बनाए जाते हैं। इस समय सुहागन महिलाएं सुहाग की सामग्री का आदान प्रदान भी करती हैं। ऐसा माना जाता है कि इससे उनके पति की आयु लंबी होती है।

3. राष्ट्रिय त्योहार : स्वतंत्रता दिवस, गांधी जयंती और गणतंत्र दिवस भारत के तीन राष्ट्रीय पर्व हैं। इनमे से प्रत्येक त्यौहारों का अपना-अपना महत्व और प्रासंगिकता है। ये विभिन्न कारणों से मनाए जाते हैं, इन त्यौहारों और उनके महत्व के बारे में यहां संक्षिप्त विवरण दिये गये है:

स्वतंत्रता दिवस : 15 अगस्त 1947 के दिन भारत को आजादी मिली थी और तभी से प्रत्येक वर्ष 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह स्वतंत्रता दिवस उन स्वतंत्रता सनानियों को सम्मान देने के लिए भी मनाया जाता है जिन्होंने हमारे देश की आजादी के लिए निःस्वार्थ रूप से अपने प्राणों का बलिदान दिया। प्रत्येक वर्ष उनके इन वीर कार्यो के लिए उन्हें याद किया जाता हैं। स्वतंत्रता आंदोलनों और स्वतंत्रता सेनानियों की बहादुरी का वर्णन करने वाले भाषण महान आत्माओं का सम्मान करने और देश के युवाओं को प्रेरित करने के लिए दिए जाते हैं। इस दिन देश भर के विभिन्न स्थानों पर ध्वजारोहण के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

IX. निम्नलिखित विषय के बारे में पत्र लिखिए : **1X5=5**

दिनांक : : :
स्थान : चल्लकेरे

प्रेषक,
वर्षा बी एस
दसवीं कक्षा,
बिसिनीरू मुद्दाप्प सर्कारी हाईस्कूल
चल्लकेरे, चित्रदुर्ग जिला।

सेवा में,
कक्षा अध्यापक,
सर्कारी हाईस्कूल
चल्लकेरे, चित्रदुर्ग जिला।

मान्य महोदय,

विषय : तीन दिनों की छुट्टि प्रदान करने के बारे में,

सविनय निवेदन है कि, मेरी तबीयत ठीक न होने के कारण मैं दिनांक : : : से दिनांक : : : तक तीन दिनों तक कक्षा में उपस्थित नहीं हो सकती हूँ। इसलिए आप मुझे तीन दिनों की छुट्टि देने की कृपा करें।

सधन्यवाद,
आपका आज्ञाकारी
[वर्षा बी एस]

प्रवास जाने के लिए 1000/- रुपए माँगते हुए अपने पिताजी के नाम पर एक पत्र लिखिए :

प्रेषक,
वर्षा बी एस
दसवीं कक्षा,
बिसिनीरू मुद्दाप्प सर्कारी हाईस्कूल
चित्रदुर्ग
दिनांक: : :

पूजनीय पिताजी,

सादर प्रणाम,

मैं यहाँ सकुशल हूँ। मुझे यकीन है कि भगवान की कृपा से वहाँ आप सब लोग सकुशल होंगे। मेरी पढ़ाई ठीक चल रही है। अब पत्र लिखने का कारण है कि, हमारी पाठशाला में मैसूर, श्रीरंगपट्टण, तलकाडु, नंजनगूडु,निमिषांभा देवालय आदि स्थानों को देखने शैक्षिक यात्रा का आयोजन हुआ है। उसमें मेरे सारे मित्र जा रहे हैं। मैं भी जाना चाहती हूँ। इसलिए आप मुझे प्रवास जाने के लिए अनुमति देते हुए, 1000 =00 रुपए भेजने की कृपा करें। पूजनीय माताजी को मेरा सादर प्रणाम। भाई तथा बहन को मेरा याद-प्यार।

आपका प्रिय बेटी,
वर्षा बी एस

सेवा में,
सोमशेखर
माविनकट्टे
होसदुर्ग ता

Suresh-Bmghs-Challakere